Microfinance Institutions Network (MFIN)

ESAF Small Finance Bank Case Study

Coverage Report

22nd February, 2019

Media Coverage Index

S. No.	Publication Name	Media
1.	Navbharat	Print
2.	Patrika	Print
3.	People’s Samachar	Print
4.	Agniban	Print
5.	Apni Dunia	Print
6.	Chaitanya Lok	Print
7.	Chautha Sansar	Print
8.	Dastak Indore	Print
9.	Indore Samachar	Print
10.	State Express	Print

Publication	Navbharat
Edition	Indore
Date	15th February, 2019
Page No.	02

माइक्रोफाइनेन्स महिलाओं को दे रहा है सहयोग

इंदौर, 12 फरवरी. श्रीमति शर्मिला काकोड़े मध्यप्रदेश के गांव वाराखादी में रहती हैं. गांव के अन्य लोगों की तरह आठ लोगों उसका परिवार भी कृषि पर निर्भर था और कृषि संकट के कारण कर्ज में डूबा हुआ था. शर्मिला हमेशा से कुछ काम करना चाहतीं थीं, ताकि वे अपने परिवार को आर्थिक परेशानी से बाहर निकाल सकें. वह पशुपालन करना चाहती थीं. तभी उन्हें छोटे फाइनेन्स बैंक ईसैफ के बारे में पता चला और उन्होंने 20,000 रु का ऋण लेकर पांच बकरियां खरीदीं. कृषि और बकरी पालन के साथ शर्मिला अब मिश्रित खेती कर रही हैं. उनके काम से उनके परिवार की आय बढ़ी। आज उनके पास 10 बकरियां हैं और वे लगभग 5000 महीना कमा लेती हैं. अपने उपभोक्ताओं को छोटे ऋण उपलब्ध कराकर ईसैफ अब तक 1.2 मिलियन लोगों के जीवन को प्रभावित कर चुका है. ईसैफ हमेशा से उन ग्रामीण क्षेत्रों की महिलाओं को सहयोग प्रदान करता रहा है जो आज भी बैंकिंग सुविधाओं से वंचित हैं. ईसैफके छोटे बैंक दस एनबीएफसी में से एक हैं जिन्हें निजी क्षेत्र में छोटा फाइनेन्स बैंक स्थापित करने के लिए रिज़र्व बैंक ऑफइण्डिया से अनुमोदन मिला है. कंपनी कई स्थानीय महिलाओं की आर्थिक स्थिति में सुधार लाकर उनके सपनों को पूरा कर रही हैं और कंपनी ने इन महिलाओं के जीवन की गुणवत्ता को बेहतर बनाने में योगदान दिया है.

Publication	Patrika
Edition	Indore
Date	13th February, 2019
Page No.	11

माइक्रोफाइनेन्स महिलाओं को दे रहा है सहयोग

नई दिल्ली. माइक्रोफाइनेन्स कंपनी कई स्थानीय महिलाओं की आर्थिक स्थिति में सुधार लाकर उनके सपनों को पूरा कर रही हैं और कंपनी ने इन महिलाओं के जीवन की गुणवत्ता को बेहतर बनाने में योगदान दिया है। स्व-विनियामक संगठन एवं भारत में माइक्रोफाइनैंस उद्योग के संगठन 'माइक्रोफाइनैंस इंस्टीट्यूशंस नेटवर्क' के अनुसार, देश में सूक्ष्म-ऋण लाभार्थियों में महिलाओं की भागीदारी 99 प्रतिशत है। एनबीएफसी-एमएफआई जैसी माइक्रोफाइनैंस कंपनियां भारत में बैंकिंग सुविधाओं रहित आबादी को वित्तीय सेवाएं आसानी से मुहैय्या करने की दिशा में कार्यरत हैं। एनबीएफसी-एमएफआई प्रधानमंत्री मुद्रा योजना की महत्वपूर्ण भागीदार हैं और इस कार्यक्रम के तहत वितरित किए जाने वाले लगभग 50 प्रतिशत ऋण माइक्रोफाइनैंस कंपनियों के जरिये दिए जाते हैं। एनबीएफसी-एमएफआई भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के साथ पंजीकृत हैं और ऋण के आकार, अवधि, ब्याज दर और फेयर प्रैक्टिसेज कोड (एफपीसी) तथा इंडस्ट्री कोड ऑफ कंडक्ट (सीओसी) के संदर्भ में सख्ती से अमल करती हैं।

Publication	People's Samachar
Edition	Indore
Date	15th February, 2019
Page No.	12

माइक्रोफाइनेंस दे रहा है महिलाओं को सहयोग

भोपाल। स्व-विनियामक संगठन एवं भारत में माइक्रोफाइनेंस उद्योग के संगठन 'माइक्रोफाइनेंस इंस्टिट्यूशंस नेटवर्क' के अनुसार, देश में सूक्ष्म-ऋण लाभार्थियों में महिलाओं की भागीदारी ९९ प्रतिशत है। एनबीएफसी-एमएफआई जैसी माइक्रोफाइनेंस कंपनियां भारत में बैंकिंग सुविधाओं रहित आबादी को वित्तीय सेवाएं आसानी से मुहैया करने की दिशा में कार्यरत हैं । एनबीएफसी-एमएफआई देश में ऐसी एकमात्र विनियमित वित्तीय संस्थाएं हैं, जो कम आय वाले परिवारों को असुरक्षित ऋण प्रदान करती हैं। ये वित्तीय कंपनियां उन महिलाओं की वित्त संबंधी जरूरतें को पूरी करती हैं, जिनके पास गिरवीं रखने या सिक्युरिटी के तौर पर जमा करने के लिए कुछ भी संसाधन मौजूद नहीं होते हैं। एनबीएफसी-एमएफआई का मकसद सतत आजीविका का विकल्प तैयार करने में मदद साधन मुहैया कराना है। दूरदराज के इलाकों में भी वित्तीय सेवाएं मुहैया कराकर ये कंपनियां सरकार के वित्तीय समावेशन के एजेंडे को बढ़ावा दे रही हैं। इससे महिलाओं की आर्थिक स्थिति में सुधार आया है।

Publication	Agniban
Edition	Indore
Date	22nd February, 2019
Page No.	13

ई-सेफ ग्रामीण महिलाओं को कर रहा सहयोग

नई दिल्ली। ई-सेफ हमेशा हीं ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं को सहयोग प्रदान कर रहा है, जो आज भी बैंकिंग सुविधाओं से वंचित है। ई-सेफ के छोटे बैंक 10 एनबीएफसी में से एक है, जिन्हें निजी क्षेत्र में छोटा फायनेंस बैंक स्थापित करने के लिए रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया से अनुमोदन मिला।

Publication	Apni Dunia
Edition	Indore
Date	13th February, 2019
Page No.	03

माइक्रोफाइनेन्स महिलाओं को दे रहा है सहयोग

भोपाल । श्रीमति शर्मिला काकोड़े मध्यप्रदेश के गांव वाराखादी में रहती हैं। उनके गांव के लोगों मुख्यतया कृशि एवं संबद्ध व्यवसायों में सक्रिय है, गांव के अन्य लोगों की तरह आठ लोगों उसका परिवार भी कृषि पर निर्भर था और कृशि संकट के कारण कर्ज में डूबा हुआ था। शर्मिला हमेशा से कुछ काम करना चाहतीं थीं, ताकि वे अपने परिवार को आर्थिक परेशानी से बाहर निकाल सकें। वह पशुपालन करना चाहती थीं। तभी उन्हें छोटे फाइनेन्स बैंक ईसैफ के बारे में पता चला और उन्होंने 20,000 रु का ऋण लेकर पांच बकरियां खरीदीं। कृशि और बकरी पालन के साथ शर्मिला अब मिश्रित खेती कर रही हैं। उनके काम से उनके परिवार की आय बढ़ी। आज उनके पास 10 बकरियां हैं और वे लगभग 5000 महीना कमा लेती हैं। अपने उपभोक्ताओं को छोटे ऋण उपलब्ध कराकर ईसैफ अब तक 1.2 मिलियन लोगों के जीवन को प्रभावित कर चुका है। ईसैफ हमेशा से उन ग्रामीण क्षेत्रों की महिलाओं को सहयोग प्रदान करता रहा है जो आज भी बैंकिंग सुविधाओं से वंचित हैं। ईसैफ के छोटे बैंक दस एनबीएफसी में से एक हैं जिन्हें निजी क्षेत्र में छोटा फाइनेन्स बैंक स्थापित करने के लिए रिज़र्व बैंक ऑफ इण्डिया से अनुमोदन मिला है। कंपनी कई स्थानीय महिलाओं की आर्थिक स्थिति में सुधार लाकर उनके सपनों को पूरा कर रही है और कंपनी ने इन महिलाओं के जीवन की गुणवत्ता को बेहतर

Publication	Chaitanya Lok
Edition	Indore
Date	13th February, 2019
Page No.	06

माइक्रोफाइनेन्स महिलाओं को दे रहा है सहयोग

श्रीमति शर्मिला काकोड़े मध्यप्रदेश के गांव वाराखादी में रहती हैं। उनके गांव के लोगों मुख्यतया कृषि एवं संबद्ध व्यवसायों में सक्रिय हैं, गांव के अन्य लोगों की तरह आठ लोगों उसका परिवार भी कृषि पर निर्भर था और कृषि संकट के कारण कर्ज में डूबा हुआ था। शर्मिला हमेशा से कुछ काम करना चाहतीं थीं, ताकि वे अपने परिवार को आर्थिक परेशानी से बाहर निकाल सकें। वह पशुपालन करना चाहती थीं। तभी उन्हें छोटे फाइनेन्स बैंक ईसैफके बारे में पता चला और उन्होंने 20,000 रु का ऋण लेकर पांच बकरियां खरीदीं। कृषि और बकरी पालन के साथ शर्मिला अब मिश्रित खेती कर रही हैं। उनके काम से उनके परिवार की आय बढ़ी। आज उनके पास 10 बकरियां हैं और वे लगभग 5000 महीना कमा लेती हैं। अपने उपभोक्ताओं को छोटे ऋण उपलब्ध कराकर ईसैफ अब तक 1.2 मिलियन लोगों के जीवन को प्रभावित कर चुका है। ईसैफ हमेशा से उन ग्रामीण क्षेत्रों की महिलाओं को सहयोग प्रदान करता रहा है जो आज भी बैंकिंग सुविधाओं से वंचित हैं।

Publication	Chautha Sansar
Edition	Indore
Date	13^{th} February, 2019
Page No.	11

कारपोरेट वॉच

माइक्रोफाइनेन्स महिलाओं को दे रहा है सहयोग

इंदौर। श्रीमति शर्मिला काकोड़े मध्यप्रदेश के गांव वाराखादी में रहती हैं। उनके गांव के लोगों मुख्यतया कृषि एवं संबद्ध व्यवसायों में सक्रिय हैं, गांव के अन्य लोगों की तरह आठ लोगों उसका परिवार भी कृषि पर निर्भर था और कृषि संकट के कारण कर्ज में डूबा हुआ था। शर्मिला हमेशा से कुछ काम करना चाहतीं थीं, ताकि वे अपने परिवार को आर्थिक परेशानी से बाहर निकाल सकें। वह पशुपालन करना चाहती थीं। तभी उन्हें छोटे फाइनेन्स बैंक ईसैफ ;म्ध्ैथ्द्ध के बारे में पता चला और उन्होंने 20,000 रु का ऋण लेकर पांच बकरियां खरीदीं। कृषि और बकरी पालन के साथ शर्मिला अब मिश्रित खेती कर रही हैं। उनके काम से उनके परिवार की आय बढ़ी। आज उनके पास 10 बकरियां हैं और वे लगभग 5000 महीना कमा लेती हैं। कंपनी कई स्थानीय महिलाओं की आर्थिक स्थिति में सुधार लाकर उनके सपनों को पूरा कर रही हैं और कंपनी ने इन महिलाओं के जीवन की गुणवत्ता को बेहतर बनाने में योगदान दिया है। स्व-विनियामक संगठन एवं भारत में माइक्रोफाइनैंस उद्योग के संगठन ह्यमाइक्रोफाइनैंस इंस्टीट्यूशंस नेटवर्कह्ल के अनुसार, देश में सूक्ष्म-ऋण लाभार्थियों में महिलाओं की भागीदारी 99 प्रतिशत है। एनबीएफसी-एमएफआई प्रधानमंत्री मुद्रा योजना की महत्वपूर्ण भागीदार हैं और इस कार्यक्रम के तहत वितरित किए जाने वाले लगभग 50 प्रतिशत ऋण माइक्रोफाइनैंस कंपनियों के जरिये दिए जाते हैं। एनबीएफसी-एमएफआई भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के साथ पंजीकृत हैं और ऋण के आकार, अवधि, ब्याज दर और फेयर प्रैक्टिसेज कोड (एफपीसी) तथा इंडस्ट्री कोड ऑफ कंडक्ट (सीओसी) के संदर्भ में सख्ती से अमल करती हैं। रिजर्व बैंक सभी एनबीएफसी एमएफआई की नियमित रूप से निगरानी करता है।

Publication	Dastak Indore
Edition	Indore
Date	14th February, 2019
Page No.	04

माइक्रोफाइनेन्स महिलाओं को दे रहा है सहयोग

श्रीमती शर्मिला काकोड़े मध्यप्रदेश के गांव वाराखादी में रहती हैं। उनके गांव के लोगों मुख्यतया कृषि एवं संबद्ध व्यवसायों में सक्रिय हैं, गांव के अन्य लोगों की तरह आठ लोगों उसका परिवार भी कृषि पर निर्भर था और कृषि संकट के कारण कर्ज में डूबा हुआ था। शर्मिला हमेशा से कुछ काम करना चाहतीं थीं, ताकि वे अपने परिवार को आर्थिक परेशानी से बाहर निकाल सकें। वह पशुपालन करना चाहती थीं। तभी उन्हें छोटे फाइनेन्स बैंक ईसैफ के बारे में पता चला और उन्होंने 20,000 रु का ऋण लेकर पांच बकरियां खरीदीं। कृषि और बकरी पालन के साथ शर्मिला अब मिश्रित खेती कर रही हैं। उनके काम से उनके परिवार की आय बढ़ी।

आज उनके पास 10 बकरियां हैं और वे लगभग 5000 महीना कमा लेती हैं।

अपने उपभोक्ताओं को छोटे ऋण उपलब्ध कराकर ईसैफ अब तक 1.2 मिलियन लोगों के जीवन को प्रभावित कर चुका है। ईसैफ हमेशा से उन ग्रामीण क्षेत्रों की महिलाओं को सहयोग प्रदान करता रहा है जो आज भी बैंकिंग सुविधाओं से वंचित हैं। ईसैफ के छोटे बैंक दस एनबीएफसी में से एक हैं।

Publication	Indore Samachar
Edition	Indore
Date	13th February, 2019
Page No.	11

माइक्रोफाइनेन्स महिलाओं को दे रहा है सहयोग

श्रीमति शर्मिला काकोड़े मध्यप्रदेश के गांव वाराखादी में रहती हैं। उनके गांव के लोगों मुख्यतया कृषि एवं संबद्ध व्यवसायों में सक्रिय हैं, गांव के अन्य लोगों की तरह आठ लोगों उसका परिवार भी कृषि पर निर्भर था और कृषि संकट के कारण कर्ज में डूबा हुआ था।

शर्मिला हमेशा से कुछ काम करना चाहती थीं, ताकि वे अपने परिवार को आर्थिक परेशानी से बाहर निकाल सकें। वह पशुपालन करना चाहती थीं। तभी उन्हें छोटे फाइनेन्स बैंक ईसैफ ;मैप्द्ध के बारे में पता चला और उन्होंने 20,000 रु का ऋण लेकर पांच बकरियां खरीदी। कृषि और बकरी पालन के साथ शर्मिला अत्र मिश्रित खेती कर रही हैं। उनके काम से उनके परिवार की आय बढ़ी। आज उनके पास 10 बकरियां है और वे लगभग 5000 महीना कमा लेती हैं।

अपने उपभोक्ताओं को छोटे ऋण उपलब्ध करवाकर ईसैफ ;मैप्द्ध अब तक 1.2 मिलियन लोगों के जीवन को प्रभावित कर चुका है। ईसैफ ;मैप्द्ध हमेशा से उन ग्रामीण क्षेत्रों की महिलाओं को सहयोग प्रदान करता रहा है जो आज भी बैंकिंग सुविधाओं से वंचित हैं।

स्व-विनियामक संगठन एवं भारत में माइक्रोफाइनैंस उद्योग के संगठन 'माइक्रोफाइनैंस इंस्टीट्यूशंस नेटवर्क' के अनुसार, देश में सूक्ष्म-ऋण लाभार्थियों में महिलाओं की भागीदारी 99 प्रतिशत है। एनबीएफसी-एमएफआई जैसी माइक्रोफाइनैंस कंपनियां भारत में बैंकिंग सुविधाओं रहित आबादी को वित्तीय सेवाएं आसानी से मुहैय्या करने की दिशा में कार्यरत है।

एशियाई बाजारों में मजबूत कारोबार

मुंबई (ई)। एशियाई बाजारों में मजबूती देखने को मिल रही है लेकिन एसजीएक्स निफ्टी पर हल्का दबाव बना हुआ है। जापान का बाजार निक्केई 421.32 अंक यानि 2.07 फीसदी की मजबूती के साथ 20754.49 के स्तर पर कारोबार कर रहा है। वहीं एसजीएक्स निफ्टी 25 अंक की गिरावट के साथ 10906.00 के स्तर पर कारोबार कर रहा है। आज स्ट्रेट्स टाइम्स में 0.05 फीसदी की कमजोरी देखने को मिल रही है।

Publication	State Express
Edition	Indore
Date	11th February, 2019
Page No.	02

माइक्रोफाइनेन्स महिलाओं को दे रहा है सहयोग

भोपाल। श्रीमति शर्मिला काकोड़े मध्यप्रदेश के गांव वाराखादी में रहती हैं। उनके गांव के लोगों मुख्यतया कृषि एवं संबद्ध व्यवसायों में सक्रिय हैं, गांव के अन्य लोगों की तरह आठ लोगों उसका परिवार भी कृषि पर निर्भर था और कृषि संकट के कारण कर्ज में डूबा हुआ था। शर्मिला हमेशा से कुछ काम करना चाहतीं थीं, ताकि वे अपने परिवार को आर्थिक परेशानी से बाहर निकाल सकें। वह पशुपालन करना चाहती थीं। तभी उन्हें छोटे फाइनेन्स बैंक ईसैफ के बारे में पता चला और उन्होंने २०,००० रु का ऋण लेकर पांच बकरियां खरीदीं। कृषि और बकरी पालन के साथ शर्मिला अब मिश्रित खेती कर रही हैं। उनके काम से उनके परिवार की आय बढ़ी। आज उनके पास १० बकरियां हैं और वे लगभग ५००० महीना कमा लेती हैं।

अपने उपभोक्ताओं को छोटे ऋण उपलब्ध कराकर ईसैफ अब तक १.२ मिलियन लोगों के जीवन को प्रभावित कर चुका है। ईसैफ हमेशा से उन ग्रामीण क्षेत्रों की महिलाओं को सहयोग प्रदान करता रहा है जो आज भी बैंकिंग सुविधाओं से वंचित हैं। ईसैफ के छोटे बैंक दस एनबीएफसी में से एक हैं जिन्हें निजी क्षेत्र में छोटा फाइनेन्स बैंक स्थापित करने के लिए रिजर्व बैंक ऑफ इण्डिया से अनुमोदन मिला है। कंपनी कई स्थानीय महिलाओं की आर्थिक स्थिति में सुधार लाकर उनके सपनों को पूरा कर रही हैं और कंपनी ने इन महिलाओं के जीवन की गुणवत्ता को बेहतर बनाने में योगदान दिया है। स्व-विनियामक संगठन एवं भारत में माइक्रोफाइनैंस उद्योग के संगठन 'माइक्रोफाइनैंस इंस्टीट्यूशंस नेटवर्क' के अनुसार, देश में सूक्ष्म-ऋण लाभार्थियों में महिलाओं की भागीदारी ९९ प्रतिशत है। एनबीएफसी-एमएफआई जैसी माइक्रोफाइनैंस कंपनियां भारत में बैंकिंग सुविधाओं रहित आबादी को वित्तीय सेवाएं आसानी से मुहैय्या करने की दिशा में कार्यरत हैं।

एनबीएफसी-एमएफआई देश में ऐसी एकमात्र विनियमित वित्तीय संस्थाएं हैं जो कम आय वाले परिवारों को असुरक्षित ऋण प्रदान करती हैं। ये वित्तीय कंपनियां उन महिलाओं की वित्त संबंधी जरूरतें को पूरी करती हैं जिनके पास गिरवीं रखने या सिक्युरिटी के तौर पर जमा करने के लिए कुछ भी संसाधन मौजूद नहीं होतें है। एनबीएफसी-एमएफआई का मकसद सतत आजीविका का विकल्प तैयार करने में मदद साधन मुहैया कराना है। दूरदराज के इलाकों में भी वित्तीय सेवाएं मुहैया कराकर ये कंपनियां सरकार के वित्तीय समावेशन के एजेंडे को बढ़ावा दे रही हैं।

एनबीएफसी-एमएफआई प्रधानमंत्री मुद्रा योजना की महत्वपूर्ण भागीदार हैं और इस कार्यक्रम के तहत वितरित किए जाने वाले लगभग ५० प्रतिशत ऋण माइक्रोफाइनैंस कंपनियों के जरिये दिए जाते हैं।